राज्य का समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक इतिहास : कुलपति प्रो. सुदेश

महिला विवि. में दो दिवसीय 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का आयोजन

सोनीपत, 27 फरवरी (हप्र)

हरियाणा प्रदेश का एक समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक इतिहास है, जिसमें प्रदेश की महिलाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। आज जरूरत है कि इस समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से वर्तमान पीढ़ी, विशेष कर युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराया जाये। उक्त उद्गार बतौर मुख्य अतिथि, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने आज दो दिवसीय 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने आयोजक टीम को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक

सोनीपत स्थित भगत फूल सिंह विवि. खानपुर कलां में 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. सुदेश।-हप्र

विकास के लिए नियमित तौर पर इस प्रकार के आयोजन होने चाहिए। कुलपति ने विभाग द्वारा छात्रों को कार्यक्रम संयोजन से जोडने की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। इससे पहले महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। रिसोर्स पर्सन के रूप में केपीएल कॉलेज, रेवाड़ी से डॉ. अनिल यादव तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदेशक डॉ. अजय वीर उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान एवं प्रतिहार काल के अवशेषों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।

सतत विकास के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी : प्रो . सुदेश

संगोष्ठी में मौजूद कुलपति प्रो . सुदेश, प्रो . आशुतोष प्रधान व अन्य● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना: महिला सशक्तीकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने सामाजिक कार्य विभाग द्वारा महिला सशक्तीकरण व सतत विकास के लक्ष्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। संगोष्ठी भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित की गई।

प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला सशक्तीकरण एक बड़ी जिम्मेदारी है और इस क्षेत्र में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिला आबादी का एक बड़ा हिस्सा अब भी शिक्षा के मूलभूत अधिकार से वंचित है, जिसे बदलने की जरूरत

महिला सशक्तीकरण व सतत विकास लक्ष्य विषय पर संगोष्ठी भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने आयोजित की

है। कुलपति ने महिलाओं, विशेषकर छात्राओं को स्वरोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत पर बल दिया। मुख्य वक्ता केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के प्रो. आशुतोष प्रधान ने लैंगिक समानता का लक्ष्य पाने के लिए वैश्विक साझेदारी को जरूरी बताया। इग्नू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. किरण हजारिका ने समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर के अलावा अन्य राज्यों के प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस मौके पर डा. मंजू पंवार, कृतिका, डा. दीपाली माथुर मौजूद रहीं।

vantage
*T&Cs Apply

Hindi News

महिला सशक्तिकरण में जनभागीदारी की अहम भूमिका है: कुलपति प्रो सुदेश

बीपीएसएमवी में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित।

Girish Saini Feb 27, 2024 09:56

0

Facebook Twitter

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। महिला सशक्तिकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित -महिला सशक्तिकरण और सतत विकास लक्ष्य विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कही।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र: पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति प्रो सुदेश व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

Discover related topics

Msme Loan

Msme

नेशनल पॉलिसी ों वीमेन

स्त्री अध्ययन

सामाजिक सशक्तिकरण

कुलपति प्रो सुदेश ने इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण एक बड़ी जिम्मेदारी है और इस क्षेत्र में अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। उन्होंने कहा कि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति होने के नाते उन्हें महिलाओं से संबंधित मुद्दों को नजदीक से जानने व समझने का अवसर मिला है। महिला आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी शिक्षा के मूलभूत अधिकार से वंचित है, जिसे बदलने की जरूरत है।

कुलपति प्रो सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में महिलाओं, विशेषकर छात्राओं को स्वरोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान द्वारा महिला स्वास्थ्य व स्वच्छता को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की बात भी कही। उन्होंने शोधार्थियों से अन्य विभागों के साथ मिल कर इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से करने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो सुदेश ने महिला विश्वविद्यालय के इतिहास को रेखांकित करते हुए भगत फूल सिंह द्वारा नारी शिक्षा व सशक्तिकरण के लिए किए गए त्याग का उल्लेख किया और कहा कि वर्तमान दौर में लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ना आवश्यक है।

मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के प्रो आशुतोष प्रधान ने अपने संबोधन में सतत विकास के विभिन्न लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने लैंगिक समानता का लक्ष्य पाने के लिए वैश्विक साझेदारी को जरूरी बताया। उन्होंने महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा, कामकाजी महिलाओं के साथ वेतन असमानता आदि मुद्दों पर भी बात की।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए इग्नू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो किरण हजारिका ने समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक का उल्लेख करते हुए बिना आरक्षण भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने की बात कही।

सेमिनार निदेशक तथा सामाजिक कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ.मंजू पंवार ने स्वागत संबोधन किया तथा संगोष्ठी की विषयवस्तु प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र का संचालन शोधार्थी कृतिका ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ दीपाली माथुर ने किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर सहित देश भर से प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

Tags: Public participation | women empowerment | Vice Chancellor Prof. Sudesh

‹ PREVIOUS ARTICLE
हरियाणा के समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराना...

NEXT ARTICLE ›
एसआईएचएम के विद्यार्थियों ने जानी अमूल प्लांट की कार्यप्रणाली

RELATED POSTS

एसआईएचएम के विद्यार्थियों ने जानी अमूल प्लांट की कार्यप्रणाली

हरियाणा के समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से युवाओं और...

सामाजिक मूल्यों पर एमकेजेके में व्याख्यान आयोजित

COMMENTS

Name: Name
Email: Email
Comment: Comment

I'm not a robot
reCAPTCHA
Privacy - Terms

Post Comment

WEDNESDAY 28TH OF FEBRUARY 2024 12:17:43 PM

POPULAR POSTS

Weekly Posts

- Bhagat Phool Singh's vision of women education and empowerment...
- New Team at OPA for 2024
- K'taka to set up separate secretariat for NRIs: Home Minister...
- Surily G's return to the runway
- BJP will not have alliance with any party in Telangana:...

FOLLOW US

Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...

- 'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
- (IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
- Surily G's return to the runway
- Consuming over 22 per cent protein daily may clog your...
- Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)

GUEST POST

For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

GoDaddy Super Simple to Use
Take your business online with GoDaddy and stay visible to customers all across the globe
GoDaddy.com Shop Now

Hindi News

हरियाणा के समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराना जरूरीः कुलपति प्रो सुदेश

दो दिवसीय -युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

Girish Saini Feb 27, 2024 09:54 0

Facebook Twitter

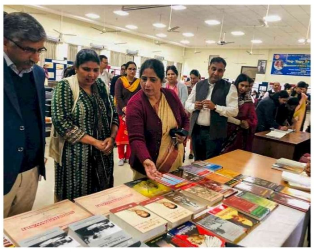

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। हरियाणा प्रदेश के समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक इतिहास में प्रदेश की महिलाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। आज जरूरत है कि इस समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से वर्तमान पीढ़ी, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए। उक्त उद्गार बतौर मुख्य अतिथि, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने मंगलवार को दो दिवसीय -युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए।

2024 की नयी कान की मशीन
अब आपके शहर में उपलब्ध
hear.com अधिक जानें

कुलपति प्रो सुदेश ने आयोजक टीम को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से होने चाहिए। कुलपति ने विभाग द्वारा छात्रों को कार्यक्रम संयोजन से जोड़ने की भी सराहना की और कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो सुदेश व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। रिसोर्स पर्सन के रूप में के.पी.एल. कॉलेज, रेवाड़ी से डॉ अनिल यादव तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदेशक डॉ अजय वीर उपस्थित रहे।

डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने स्वागत संबोधन में कहा कि कुलपति प्रो सुदेश की प्रेरणा व कुशल मार्गदर्शन के कारण यह आयोजन संभव हो पाया है। इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने प्रदर्शनी की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का संचालन विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ सीमा दहिया ने किया। आभार प्रदर्शन इतिहास विभाग की डॉ शीतल ने किया।

इस प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान/प्रतिहार काल के अवशेष, 11वीं शताब्दी के मंदिर विध्वंस, तुगलक व मुगल आक्रमण, पानीपत की तीसरी लड़ाई, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा का योगदान, प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। साथ ही, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दुर्लभ चित्र, हरियाणा में मौजूद पुरातन सराय, बावलियां, मंदिर वास्तुकला आदि भी चित्रों द्वारा प्रदर्शित की गई है। इस मौके पर हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। यह प्रदर्शनी सुबह 10:00 से शाम 4:00 बजे तक अवलोकन के लिए खुली रहेगी।

Tags: make youth and students aware | Haryana's rich history | Vice Chancellor Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
सामाजिक मूल्यों पर एमकेजेके में व्याख्यान आयोजित

NEXT ARTICLE
महिला सशक्तिकरण में जनभागीदारी की अहम भूमिका हैः कुलपति प्रो सुदेश

RELATED POSTS

एसआईएचएम के विद्यार्थियों ने जानी अमूल प्लांट की कार्यप्रणाली

महिला सशक्तिकरण में जनभागीदारी की अहम भूमिका हैः कुलपति...

सामाजिक मूल्यों पर एमकेजेके में व्याख्यान आयोजित

COMMENTS

Name
Email
Comment

Post Comment

WEDNESDAY 28TH OF FEBRUARY 2024 12:18:12 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
Bhagat Phool Singh's vision of women education and empowerment...
New Team at OPA for 2024
K'taka to set up separate secretariat for NRIs: Home Minister...
Surily G's return to the runway
BJP will not have alliance with any party in Telangana:...

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
Opinion
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...
'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway
Consuming over 22 per cent protein daily may clog your...
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

GoDaddy Super Simple to Use
Take your business online with GoDaddy and stay visible to customers all across the globe
GoDaddy.com Shop Now

INNOCENT HEARTS GROUP OF SCHOOLS Jalandhar, Punjab ADMISSION OPEN SESSION 2024-2025 Pre-school to Grade IX & XI More info 1800 833 4600 Visit WWW.IHGI.IN Registration Starts from December 01, 2023

37 वीं विशाल शोभा यात्रा

2024 की नयी कान की मशीन
ख़ास वरिष्ठ नागरिकों के लिए
hear.com

Education

Sustainable development goals cannot be attained without empowering women: BPSMV VC Prof. Sudesh

Women empowerment is possible only with public participation. We cannot attain sustainable development goals without empowering women. BPSMV Vice Chancellor, Prof. Sudesh, expressed these views as the chief guest at the inauguration of the National Seminar on "Women Empowerment and Sustainable Development Goals" organized by the Department of Social Work.

Girish Saini Feb 27, 2024 06:14

HAMPTON HOMES 300+ FAMILIES STRONG

Khanpur Kalan, February 27, 2024: Women empowerment is possible only with public participation. We cannot attain sustainable development goals without empowering women. BPSMV Vice Chancellor, Prof. Sudesh, expressed these views as the chief guest at the inauguration of the National Seminar on "Women Empowerment and Sustainable Development Goals" organized by the Department of Social Work.

World's #1 Easiest-to-Use HRMS
HROne Open

Talking about the relevance of the theme of this seminar, VC Prof. Sudesh said that women empowerment is a big challenge and a lot still remains to be done in this regard. She said that being the Vice Chancellor of Women's University, she has closely understood the issues related to women. Despite a rich heritage, the problem of depriving women from education still persists.

In her impressive address, VC Prof. Sudesh emphasized on the need to make women, especially girl students, self-reliant through self-employment. She also talked about organizing special programs on women's health and hygiene by MSM Ayurveda Institute. She called upon the research scholars to organize such events regularly in collaboration with other departments.

VC Prof. Sudesh, outlined the history of BPSMV by mentioning the sacrifice made by Bhagat Phool Singh for women's education and empowerment. She said that breaking gender stereotypes is the need of the hour.

As the keynote speaker, Prof. Ashutosh Pradhan of Central University, Himachal Pradesh discussed various sustainable development goals. He said global partnership is the key to achieve the goal of gender equality. He also discussed issues like domestic violence against women, pay inequality among working women etc.

In his presidential address, IGNOU Pro-Vice Chancellor Prof Kiran Hazarika signified the importance of women in the society. Referring to the Women's Reservation Bill, he said steps for women empowerment should be taken even without reservation.

Seminar Director and Chairperson of the Social Work Department, Dr. Manju Panwar gave the welcome address and theme of the seminar. Research scholar Kritika conducted the stage. Vote of thanks was given by Dr Deepali Mathur. 10 technical sessions were organized in this national seminar, in which participants from all over the country including Haryana, Punjab, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir presented research papers. This national seminar was sponsored by Indian Council of Social Science Research.

Tags: Sustainable development goals | empowering women | BPSMV VC Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE: BPSMV VC Prof Sudesh inaugurated the two-day exhibition on the glorious history...
NEXT ARTICLE: Congress has lost majority in House: HP LoP

RELATED POSTS
National Symposium on Genomics Revolution kicks off at...
Students of Ramgarhia Girls College gave outstanding performance...
Panjab University Alumni Association organizing Scholarship...

COMMENTS
Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

WEDNESDAY 28TH OF FEBRUARY 2024 12:18:40 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
Bhagat Phool Singh's vision of women education and empowerment...
New Team at OPA for 2024
K'taka to set up separate secretariat for NRIs: Home Minister...
Surily G's return to the runway
BJP will not have alliance with any party in Telangana:...

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
Opinion
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...
'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway
Consuming over 22 per cent protein daily may clog your...
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

5 Signs Of Overworked Liver
5 Warning Signs That the Liver Is Full of Toxins & Causes Weight Gain
Liver Revival Open

INNOCENT HEARTS GROUP OF SCHOOLS
ADMISSION OPEN
SESSION 2024-2025
Pre-school to Grade IX & XI
More info 1800 833 4600 Visit WWW.IHGI.IN
Registration Starts from December 01, 2023

37 वीं विशाल शोभा यात्रा
शिवरात्रि महोत्सव कमेटी (रजि:)
लुधियाना की तरफ से
वीरवार 7 मार्च 2024
यात्रा मार्ग:
आकर्षण

Education

BPSMV VC Prof Sudesh inaugurated the two-day exhibition on the glorious history of Haryana

A two-day exhibition on the glorious history of Haryana, "Yug-Yugo Se Haryana" was inaugurated at Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidhyala by Vice Chancellor Prof. Sudesh.

Girish Saini Feb 27, 2024 06:13 0

Facebook Twitter

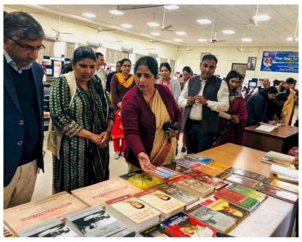

HAMPTON HOMES BUILDING AN AFFORDABLE TOMORROW 300+ FAMILIES STRONG

Khanpur Kalan, February 27, 2024. A two-day exhibition on the glorious history of Haryana, "Yug-Yugo Se Haryana'' was inaugurated at Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidhyala by Vice Chancellor Prof. Sudesh.

PRATIC CNC Machining Centers
3 axis, 4 axis, 5 axis CNC machines for machining aluminum, steel, tatinium, copper, etc.
PRATIC CNC Open

This exhibition is organized by the Department of History and Archeology in collaboration with Haryana Sahitya and Sanskriti Academy, Panchkula.

Chief Guest Prof Sudesh said in her inaugural address that Haryana has a rich cultural, social and political history, in which the women of the state have also played an important role. Present generation, especially the youth and students, must be aware of various aspects of this rich heritage.

VC Prof. Sudesh congratulated the organizing team and said that such events should be organized regularly for the academic and intellectual development of girl students. She also appreciated the involvement of students in program coordination.

Dr. Anil Yadav from KPL College, Rewari and Dr. Ajay Veer, Assistant Director of Haryana Sahitya and Sanskriti Academy were present as resource persons. Dean, Faculty of Social Sciences, Prof. Ravi Bhushan, delivered the welcome address. The exhibition coordinator and Head of the Department of History and Archeology Dr. Archana Malik, threw light on the outline of the exhibition. The stage was conducted by Dr. Seema Dahiya, Chairperson of the Law Department. Vote of thanks was given by Dr. Sheetal of the History Department.

In this exhibition, pictures of remains of the Indus Saraswati site, Vedic period, Later Vedic period, Chauhan/Pratihar period found in Haryana have been displayed. Era of temple demolition of the 11th century, Tughlaq and Mughal invasions, Third Battle of Panipat, Haryana's contribution in the freedom struggle of 1857, First World War and partition of India in 1947 have also been depicted through pictures. Besides, rare pictures of the Indian freedom struggle, ancient inns, stepwells, temple architecture etc have also been displayed through pictures. A book exhibition related to the history of Haryana has also been organized by Haryana Sahitya and Sanskrit Academy, Panchkula. This exhibition will be open from 10:00 am to 4:00 pm.

Tags: BPSMV VC Prof Sudesh | exhibition on glorious history of Haryana

PREVIOUS ARTICLE
Over 100 HR professionals attend regional conference on labour laws

NEXT ARTICLE
Sustainable development goals cannot be attained without empowering women: BPSMV...

RELATED POSTS

National Symposium on Genomics Revolution kicks off at...

Students of Ramgarhia Girls College gave outstanding performance...

Panjab University Alumni Association organizing Scholarship...

COMMENTS

Name
Email
Comment

I'm not a robot

Post Comment

WEDNESDAY 28TH OF FEBRUARY 2024 12:18:55 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
Bhagat Phool Singh's vision of women education and empowerment...
New Team at OPA for 2024
K'taka to set up separate secretariat for NRIs: Home Minister...
Surily G's return to the runway
BJP will not have alliance with any party in Telangana:...

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
Opinion
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...
'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway
Consuming over 22 per cent protein daily may clog your...
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

पंजाब केसरी
WED,28 FEBRUARY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

प्रदर्शनी की पुस्तकों का अवलोकन करते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

महिला विश्वविद्यालय में 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी प्रारंभ

गोहाना, 27 फरवरी (अरोड़ा): हरियाणा का समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक इतिहास है। जरूरत इस बात की है कि इस समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से वर्तमान पीढ़ी अवगत कराया जाए। यह टिप्पणी मंगलवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की बी.सी. प्रो सुदेश ने की। वह दो दिवसीय 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का शुभारंभ कर रही थीं।

इस प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान और प्रतिहार काल के अवशेषों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अलावा 11वीं शताब्दी के मंदिर विध्वंस, तुगलक व मुगल आक्रमण, पानीपत की तीसरी लड़ाई,

वी.सी. ने कहा : नई पीढ़ी को समृद्ध इतिहास से अवगत करवाना जरूरी

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा का योगदान, प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को भी चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है।

साथ ही, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दुर्लभ चित्र, हरियाणा में मौजूद पुरातन सराय, बावलियां, मंदिर वास्तुकला आदि भी चित्रों द्वारा प्रदर्शित की गई है। चित्रों के माध्यम से हरियाणा के विकास की गाथा की जानकारी भी दी गई है। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

यह प्रदर्शनी महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से आयोजित की गई हे।

डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने और प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने प्रदर्शनी की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का संचालन विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ सीमा दहिया ने किया।

रिसोर्स पर्सन के रूप में के.पी.एल. कॉलेज, रेवाड़ी से डॉ अनिल यादव तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदेशक डॉ अजय वीर पहुंचे।

पंजाब केसरी
WED,28 FEBRUARY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

सतत विकास के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी : प्रो. सुदेश

स्मारिका का विमोचन करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

गोहाना, 27 फरवरी (अरोड़ा): महिला सशक्तिकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है।

यह बात बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने मंगलवार को "महिला सशक्तिकरण और सतत विकास लक्ष्य" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कही। यह संगोष्ठी भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के तत्वावधान में हुई।

प्रो सुदेश ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एक बड़ी जिम्मेदारी है और इस क्षेत्र में अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

महिला आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी शिक्षा के मूलभूत अधिकार से वंचित है, जिसे बदलने की जरूरत है। वी.सी. ने महिलाओं, विशेषकर छात्राओं को स्वरोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत पर बल दिया। प्रो सुदेश ने कहा कि वर्तमान दौर में लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ना आवश्यक है।

मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के प्रो आशुतोष प्रधान पहुंचे। उन्होंने लैंगिक समानता का लक्ष्य पाने के लिए वैश्विक साझेदारी को जरूरी बताया। उन्होंने महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा, कामकाजी महिलाओं के साथ वेतन असमानता आदि मुद्दों पर भी बात की।

इग्नू की प्रो-वी.सी. प्रो किरण हजारिका ने समाज में महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। सामाजिक कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ.मंजू पंवार ने संगोष्ठी का संयोजन किया। संचालन शोधार्थी कृतिका ने किया।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर सहित देश भर से प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

हरियाणा के समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराया जाना जरूरीः कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां, (ऋषि की आवाज)। हरियाणा प्रदेश के समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक इतिहास में प्रदेश की महिलाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। आज जरूरत है कि इस समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से वर्तमान पीढ़ी, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए। उक्त उद्गार बतौर मुख्य अतिथि, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने मंगलवार को दो दिवसीय -युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। कुलपति प्रो सुदेश ने

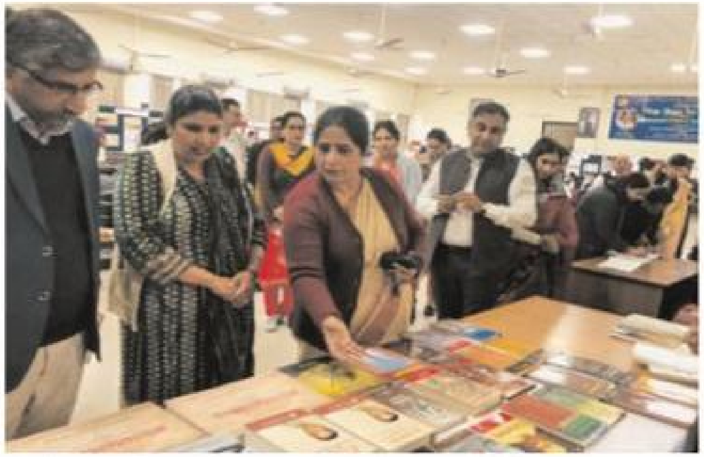

आयोजक टीम को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास के लिए इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से होने चाहिए। कुलपति ने विभाग द्वारा छात्रों को कार्यक्रम संयोजन से जोड़ने की भी सराहना की और कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो सुदेश व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। रिसोर्स पर्सन के रूप में के.पी.एल. कॉलेज, रेवाड़ी से डॉ अनिल यादव तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदेशक डॉ अजय वीर उपस्थित रहे।

डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने स्वागत संबोधन में कहा कि कुलपति प्रो सुदेश की प्रेरणा व कुशल मार्गदर्शन के कारण यह आयोजन संभव हो पाया है। इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने प्रदर्शनी की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

इस प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान/प्रतिहार काल के अवशेष, 11वीं शताब्दी के मंदिर विध्वंस, तुगलक व मुगल आक्रमण, पानीपत की तीसरी लड़ाई, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा का योगदान, प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। साथ ही, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दुर्लभ चित्र, हरियाणा में मौजूद पुरातन सराय, बावलियां, मंदिर वास्तुकला आदि भी चित्रों द्वारा प्रदर्शित की गई है। इस मौके पर हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। यह प्रदर्शनी सुबह 10ः00 से शाम 4ः00 बजे तक अवलोकन के लिए खुली रहेगी।

बिना जनभागीदारी के महिला सशक्तिकरण संभव नहीं है: कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां, गिरीश सैनी (ऋषि की आवाज ब्यूरो)। महिला सशक्तिकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित -महिला सशक्तिकरण और सतत विकास लक्ष्य विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कही। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र- पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति प्रो सुदेश व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कुलपति प्रो सुदेश ने इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण एक बड़ी जिम्मेदारी है और इस क्षेत्र में अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। उन्होंने कहा कि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति होने के नाते उन्हें महिलाओं से संबंधित मुद्दों को नजदीक से जानने व समझने का अवसर मिला है। महिला आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी शिक्षा के मूलभूत अधिकार से वंचित है, जिसे बदलने की जरूरत है।

कुलपति प्रो सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में महिलाओं, विशेषकर छात्राओं को स्वरोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान द्वारा महिला स्वास्थ्य व स्वच्छता को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की बात भी कही।

कुलपति प्रो सुदेश ने महिला विश्वविद्यालय के इतिहास को रेखांकित करते हुए भगत फूल सिंह द्वारा नारी शिक्षा व सशक्तिकरण के लिए किए गए त्याग का उल्लेख किया और कहा कि वर्तमान दौर में लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ना आवश्यक है। मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के प्रो आशुतोष प्रधान ने अपने संबोधन में सतत विकास के विभिन्न लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने लैंगिक समानता का लक्ष्य पाने के लिए वैश्विक साझेदारी को जरूरी बताया। उन्होंने महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा, कामकाजी महिलाओं के साथ वेतन असमानता आदि मुद्दों पर भी बात की।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए इग्नू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो किरण हजारिका ने समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक का उल्लेख करते हुए बिना आरक्षण भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने की बात कही।

महिला सशक्तिकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं- कुलपति

उजाला आज तक

गोहाना, 27 फरवरी (रामनिवास धीमान) महिला सशक्तिकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने आज मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "महिला सशक्तिकरण और सतत विकास लक्ष्य" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कही। कुलपति प्रो सुदेश ने इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि महिला आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी शिक्षा के मूलभूत अधिकार से वंचित है, जिसे बदलने की जरूरत है।कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संबोधन में महिलाओं, विशेषकर छात्राओं को स्वरोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत पर बल दिया। मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के प्रो आशुतोष प्रधान ने अपने संबोधन में सतत विकास के विभिन्न लक्ष्यों पर चर्चा की। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए इग्नू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो किरण हजारिका ने समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। सेमिनार निदेशक तथा सामाजिक कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ.मंजू पंवार ने स्वागत संबोधन किया तथा संगोष्ठी की विषयवस्तु प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र का संचालन शोधार्थी कृतिका ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ दीपाली माथुर ने किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर सहित देश भर से प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

बीपीएस में कुलपति ने किया दो दिवसीय 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का शुभारंभ

उजाला आज तक

गोहाना, 27 फरवरी (रामनिवास धीमान) भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने आज दो दिवसीय 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का शुभारंभ किया । उन्होने कहा महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो सुदेश व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। रिसोर्स पर्सन के रूप में के.पी.एल. कॉलेज, रेवाड़ी से डॉ अनिल यादव तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदेशक डॉ अजय वीर उपस्थित रहे। डीन, फैकल्टी आफ

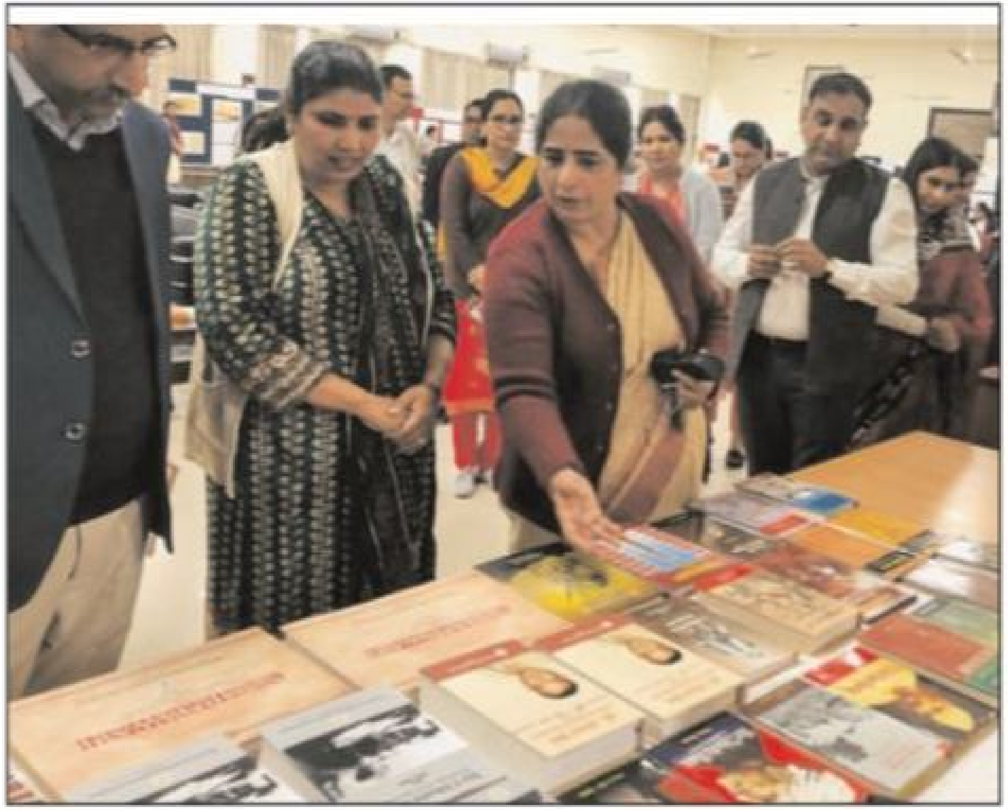

सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने स्वागत संबोधन किया । इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने प्रदर्शनी की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का संचालन विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ सीमा दहिया ने किया। आभार प्रदर्शन इतिहास विभाग की डॉ शीतल ने किया।इस प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान/प्रतिहार काल के अवशेषों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अलावा 11वीं शताब्दी के मंदिर विध्वंस, तुगलक व मुगल आक्रमण, पानीपत की तीसरी लड़ाई, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा का योगदान, प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को भी चित्रों के माध्यम से दशार्या गया है। साथ ही, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दुर्लभ चित्र, हरियाणा में मौजूद पुरातन सराय, बावलियां, मंदिर वास्तुकला आदि भी चित्रों द्वारा प्रदर्शित की गई है। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

7:32 54
Epaper
epaper.ajitsamachar.com

अजीत समाचार चंडीगढ़

महिला सशक्तिकरण बिना जनभागीदारी के सम्भव नहीं : कुलपति

स्मारिका का लोकार्पण करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

गोहाना, 27 फरवरी (रामनिवास धीमान): महिला सशक्तिकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने आज मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित 'महिला सशक्तिकरण और सतत विकास लक्ष्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कही। कुलपति प्रो. सुदेश ने इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि महिला आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी शिक्षा के मूलभूत अधिकार से वंचित है, जिसे बदलने की जरूरत है।कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संबोधन में महिलाओं, विशेषकर छात्राओं को स्वरोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत पर बल दिया। मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के प्रो आशुतोष प्रधान ने अपने संबोधन में सतत विकास के विभिन्न लक्ष्यों पर चर्चा की। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए इग्नू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो किरण हजारिका ने समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। सेमिनार निदेशक तथा सामाजिक कार्य विभाग की अध्यक्ष

7:33

Epaper
epaper.ajitsamachar.com

बीपीएस में कुलपति ने किया 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का शुभारम्भ

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश।

गोहाना, 27 फरवरी (रामनिवास धीमान): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने आज दो दिवसीय 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। रिसोर्स पर्सन के रूप में के.पी.एल. कॉलेज, रेवाड़ी से डॉ अनिल यादव तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदेशक डॉ अजय वीर उपस्थित रहे। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने स्वागत संबोधन किया। इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने प्रदर्शनी की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का संचालन विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ सीमा दहिया ने किया। आभार प्रदर्शन इतिहास विभाग की डॉ शीतल ने किया इस प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान/प्रतिहार काल के अवशेषों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अलावा 11वीं शताब्दी के मंदिर विध्वंस, तुगलक व मुगल आक्रमण, पानीपत की तीसरी लड़ाई, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा का योगदान, प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को भी चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। साथ ही, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दुर्लभ चित्र, हरियाणा में मौजूद पुरातन सराय, बावलियां, मंदिर वास्तुकला आदि भी चित्रों द्वारा प्रदर्शित की गई है। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

प्रदर्शनी • बीपीएस महिला विवि में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन

सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, प्रतिहार काल में हरियाणा का गौरव दिखाया

भास्कर न्यूज़ | गोहाना

बीपीएस महिला विवि में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के इतिहास विषय पर दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। युग-युगों से हरियाणा के नाम से आयोजित प्रदर्शनी हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान एवं प्रतिहार काल के अवशेषों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।

प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि हरियाणा प्रदेश का एक समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक, इतिहास है। इसमें प्रदेश की महिलाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। आज जरूरत है कि इस समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से वर्तमान पीढ़ी, विशेष कर युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए। इस प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान एवं प्रतिहार काल के अवशेषों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अलावा 11वीं शताब्दी के मंदिर विध्वंस, तुगलक व मुगल आक्रमण, पानीपत की तीसरी लड़ाई, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा का योगदान, प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को भी चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है।

गोहाना. हरियाणा प्रदर्शनी का अवलोकन करती कुलपति प्रो. सुदेश।

इस मौके पर बतौर रिसोर्स पर्सन रेवाड़ी केपीएल कॉलेज से डॉ. अनिल यादव, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदे शक डॉ. अजय वीर, डीन फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक, विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ. सीमा दहिया, डॉ. शीतल आदि मौजूद रहे।

बिना जनभागीदारी के संभव नहीं महिला सशक्तिकरण

बीपीएस महिला विवि में सामाजिक कार्य विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण और सतत विकास लक्ष्य विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी शुरू हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पंजाब विवि द्वारा आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला सशक्तिकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। उन्होंने महिलाओं, विशेषकर छात्राओं को स्वरोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत पर बल दिया। इसके बाद हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विवि के प्रो. आशुतोष प्रधान ने सतत विकास के विभिन्न लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने लैंगिक समानता का लक्ष्य पाने के लिए वैश्विक साझेदारी को जरूरी बताया और महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा, कामकाजी महिलाओं के साथ वेतन असमानता आदि मुद्दों पर चर्चा की। वहीं इग्नू की प्रो-वाइस चांसलर प्रो. किरण हजारिका ने महिला आरक्षण विधेयक का उल्लेख किया और बिना आरक्षण भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने की बात कही। इस संगोष्ठी में 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर सहित देशभर से प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

विवि में 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का शुभारंभ

संस्कृति हमारी पहचान व धरोहर : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

हमारी संस्कृति हमारी पहचान है, हमारी धरोहर है। हरियाणा प्रदेश का एक समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक इतिहास है, जिसमें प्रदेश की महिलाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। आज जरूरत इस समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से वर्तमान पीढ़ी, विशेष कर युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए। यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने कही। वे मंगलवार को विवि में दो दिवसीय युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी का बतौर मुख्यातिथि दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ कर रही थीं। महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास विषय पर यह प्रदर्शनी आयोजित हुई। रिसोर्स पर्सन के रूप में केपीएल कॉलेज, रेवाड़ी से डॉ. अनिल यादव तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदेशक डॉ.

गोहाना। प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो . सुदेश।

अजय वीर उपस्थित रहे। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण ने स्वागत भाषण दिया। प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने प्रदर्शनी की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का संचालन विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ. सीमा दहिया ने किया। आभार प्रदर्शन इतिहास विभाग की डॉ. शीतल ने किया।

प्रदर्शनी में आकर्षक चित्र प्रस्तुत

इस प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान/प्रतिहार काल के अवशेषों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।

इसके अलावा 11वीं शताब्दी के मंदिर विध्वंस, तुगलक व मुगल आक्रमण, पानीपत की तीसरी लड़ाई, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा का योगदान, प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को भी चित्रों के माध्यम से दशार्या गया है। साथ ही, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दुर्लभ चित्र, हरियाणा में मौजूद पुरातन सराय, बावलियां, मंदिर वास्तुकला आदि भी चित्रों द्वारा प्रदर्शित की गई है। चित्रों के माध्यम से हरियाणा के विकास की गाथा की जानकारी भी दी गई है। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। यह प्रदर्शनी सुबह 10 से सायं 4 बजे तक अवलोकन के लिए खुली रहेगी।

सतत विकास के लक्ष्य के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी : प्रो. सुदेश

गोहाना। राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का लोकार्पण करते हुए महिला कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है और महिला सशक्तिकरण जन भागीदारी से ही संभव है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विवि, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने मंगलवार को मुख्य अतिथि सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण और सतत विकास लक्ष्य विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कही।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्रः पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके किया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एक बड़ी जिम्मेदारी है और इस क्षेत्र में अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। महिला आबादी का एक बड़ा हिस्सा आज भी शिक्षा के मूलभूत अधिकार से वंचित है। कुलपति प्रो. सुदेश ने भगत फूल सिंह द्वारा नारी शिक्षा व सशक्तिकरण के लिए किए गए त्याग का उल्लेख किया और कहा कि वर्तमान दौर में लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ना आवश्यक है। मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय विवि, हिमाचल प्रदेश के प्रो. आशुतोष प्रधान रहे। अध्यक्षीय संबोधन इग्नू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. किरण हजारिका ने किया। सेमीनार निदेशक तथा सामाजिक कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने संगोष्ठी की विषयवस्तु प्रस्तुत की।

उद्घाटन सत्र का संचालन शोधार्थी कृतिका ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. दीपाली माथुर ने किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर सहित देश भर से प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

महिला सशक्तीकरण जनभागीदारी से संभव

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की तरफ से मंगलवार को महिला सशक्तीकरण और सतत विकास लक्ष्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला सशक्तीकरण बिना जनभागीदारी के संभव नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। मुख्य वक्ता केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के प्रो आशुतोष प्रधान ने सतत विकास के विभिन्न लक्ष्यों पर चर्चा की। इग्नू की वाइस चांसलर प्रो. किरण हजारिका ने समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा बिना आरक्षण भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में कार्य करने की बात कही। इस मौके पर डॉ.मंजू पंवार, डॉ दीपाली माथुर आदि मौजूद रहे। संवाद

युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी में दी गई इतिहास की जानकारी

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में प्रदर्शनी के दौरान कुलपति व अन्य। स्रोत: विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। यह प्रदर्शनी इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की तरफ से हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास विषय पर आयोजित की गई।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि हरियाणा प्रदेश का एक समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक इतिहास है, जिसमें प्रदेश की महिलाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस समृद्ध इतिहास के विभिन्न पहलुओं से वर्तमान पीढ़ी, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए।

इस दौरान डीन प्रो. रवि भूषण, प्रदर्शनी की संयोजक डॉ. अर्चना मलिक डॉ. सीमा दहिया व डॉ. शीतल ने किया। रिसोर्स पर्सन के रूप में केपीएल कॉलेज, रेवाड़ी से डॉ अनिल यादव व हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहायक निदेशक डॉ. अजय वीर उपस्थित रहे।

चित्रों के माध्यम से दिखाई हरियाणा के विकास की गाथा

प्रदर्शनी की रही ये विशेषता

इस प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, चौहान/प्रतिहार काल के अवशेषों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अलावा 11वीं शताब्दी के मंदिर विध्वंस, तुगलक व मुगल आक्रमण, पानीपत की तीसरी लड़ाई, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा का योगदान, प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को भी चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दुर्लभ चित्र, हरियाणा में मौजूद पुरातन सराय, बावलियां, मंदिर वास्तुकला भी चित्रों के जरिए प्रदर्शित की गई है। चित्रों के माध्यम से हरियाणा के विकास की गाथा की जानकारी भी दी गई है।